5. नाट्यशास्त्र के अनुसार कैशिकी वृत्ति को समझाइये।

6. नाट्यशास्त्र के अनुसार ब्राह्मण एवं क्षत्रिय स्तम्भ में अन्तर लिखिए।

7. साहित्यदर्पण के अनुसार साधारणीकरण को स्पष्ट कीजिए।

8. भामह के अनुसार काव्यहेतुओं का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

9. 'भावयति' धातुरूप की रूपसिद्धि कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. महाकवि विश्वनाथ के कालनिर्धारण की विशद समीक्षा कीजिए।

11. साहित्यदर्पण के अनुसार रस का निष्पत्ति से सम्बद्ध वादों का वर्णन कीजिए।

12. नाट्यशास्त्र के अनुसार रंगपीठ का विशद वर्णन कीजिए।

13. भारतीय कावयशास्त्र में काव्यप्रयोजनों का उल्लेख करते हुए भामह के अनुसार काव्यप्रयोजनों का वर्णन कीजिए।

MASA–04

June – Examination 2023

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण)

Paper : MASA-04

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks : 80*

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) साहित्यदर्पण में नायक के कितने कुल कितने भेद बताए गए हैं ?

   (ii) साहित्यदर्पण के प्रथम परिच्छेद का क्या नाम है ?

   (iii) साहित्यदर्पण के अनुसार वाक्य किसे कहते हैं ?

(iv) विभाव किसे कहते हैं ?

(v) वृत्ति किसे कहते हैं ?

(vi) ब्रह्माजी ने नाट्य प्रयोग का उचित अवसर जानकर किस महोत्सव में प्रयोग की आज्ञा प्रदान की ?

(vii) भामह के अनुसार काव्य का लक्षण लिखिए।

(viii) आत्मनेपदी उत्तमपुरुष एकवचन प्रत्यय लिखिए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) अध्यर्धहस्तोत्सेधेन कर्त्तव्या मत्तवारणी।

उत्सेधेन तयोस्तुल्यं कर्त्तव्यं रङ्गमण्डपम्॥

अथवा

(ब) जग्राह पाठ्यमृग्वेदात् सामभ्यो गीतमेव च।

यजुर्वेदादभिनयान् रसानाथर्वणादपि॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) तत्र सङ्केतितार्थस्य बोधनादग्रिमाभिधा।

सङ्केतो गृह्यते जातौ गुणद्रव्यक्रियासु च॥

अथवा

(ब) सत्वोद्रेकादखण्डस्वप्रकाशानन्दचिन्मयः।

वेद्यान्तरस्पर्शशून्यो ब्रह्मास्वादसहोदरः॥

लोकोत्तरचमत्कारप्राणः कैश्चित्प्रमातृभिः।

स्वाकारवदाभिन्नत्वेनायमास्वाद्यते रसः॥

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) गुरूपदेशादध्येतुं शास्त्रं जडधियोऽप्यलम्।

काव्यं तु जायते जातु कस्यचित्प्रतिभावतः॥

अथवा

(ब) सर्गबन्धोऽभिनेयार्थं तथैवाख्यायिकाकथे।

अनिबद्धञ्च काव्यादि तत्पुनः पञ्चधोच्यते॥